

न्यायालय सहायक कलैक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी (राजस्व) हनुमानगढ़।

पीठासीन अधिकारी :- श्री सुरेन्द्र सिंह पुरोहित आर.ए.एस.

प्रकरण संख्या-80/2018

हनुमान पुत्र श्री लेखराम जाति जाट निवासी रणजीतपुरा तहसील व जिला हनुमानगढ़।

—वादी

बनाम

1. लेखराम पुत्र श्री माडूराम जाति जाट निवासी रणजीतपुरा तहसील व जिला हनुमानगढ़।
2. महावीर पुत्र श्री लेखराम जाति जाट निवासी रणजीतपुरा तहसील व जिला हनुमानगढ़।
3. सिलोचना पत्नी श्री दीपचन्द्र पुत्री लेखराम जाति जाट निवासी धोलीपाल तहसील व जिला हनुमानगढ़।
4. भारतीय स्टेट बैंक शाखा नौरंगदेसर तहसील व जिला हनुमानगढ़ जरिये शाखा प्रबन्धक।
5. तहसीलदार (राजस्व) हनुमानगढ़।

—प्रतिवादीगण

उपरिथत :-1-श्री भवानी सिंह निर्वाण अधिवक्ता-वादी की ओर से

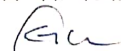
2-श्री सुरेन्द्र कुमार सहारण अधिवक्ता-प्रतिवादी संख्या 1 से 3 की ओर से

3-राजपैरोकार स्टेट - प्रतिवादी संख्या 5

:: निर्णय ::

दिनांक:- 18.5.18

वादी ने प्रतिवादीगण के विरुद्ध यह वाद अन्तर्गत धारा 88 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम के तहत इस आशय का संक्षेप में इस प्रकार पेश किया कि है कि प्रतिवादी संख्या 1 के नाम से चक नंबर-10 एम.जेड.डब्ल्यू तहसील हनुमानगढ़ के खाता संख्या-113/109 पत्थर नंबर 171/369 (13) किला नंबर 6/1, 7/1, 13 से 18, 21 ता 23 कुल 2.343 हैक्टेयर अनकमाण्ड व चक नंबर-7 आर.पी.सी. तहसील हनुमानगढ़ के खाता संख्या-73/49 पत्थर नंबर 164/360 (33) किला नंबर 11/4, 12/1, 13/1, 18, 19, 20/2, 21/2, 22, 23 कुल 1.835 हैक्टेयर कमाण्ड व अनकमाण्ड दर्ज राजस्व अभिलेख है। वादी व प्रतिवादी संख्या 1 से 3 एक ही संयुक्त हिन्दू परिवार के सदस्य है। उपरोक्त वर्णित कृषि भूमि पैतृक सम्पत्ति है, जिसमें वादी व प्रतिवादी संख्या 2 व 3 का जन्म से हक व अधिकार है। प्रतिवादिया संख्या 3 वादपत्र की धारा 3 में वर्णित कृषि भूमि में अपना कोई हक व हिस्सा प्राप्त नहीं करना चाहती है जिसने अपना हक व हिस्सा वादी व प्रतिवादी संख्या 1 व 2 के पक्ष में तर्क किया हुआ है, इसलिए वादपत्र की धारा 3 में वर्णित प्रतिवादी संख्या 1 के नाम की कृषि भूमि का घरू वंटवारा किया हुआ है जिसके अनुसार


सहायक कलक्टर
एवं उपखण्ड अधिकारी

--2

वादी को 1/3 हिस्सा की कृषि भूमि विभाजन में प्राप्त हुई है जिस पर वादी काबिज काश्त है लेकिन राजस्व रिकार्ड में प्रतिवादी संख्या 1 अकेले के नाम भूमि दर्ज होने के कारण वादी के हक हकूक पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है, इस कारण उक्त कृषि भूमि पैतृक सम्पत्ति होने के कारण वादी का प्रतिवादी संख्या 1 व 2 के साथ बहिरसा बराबर का खातेदार है जिसकी खातेदारी अधिकारों की घोषणा करवाने का वादी अधिकारी व दावेदार है। अतः बाद वादी स्वीकार कर घोषणा की जावे कि प्रतिवादी संख्या 1 के नाम की कृषि भूमि चक नंबर-10 एम.जेड.डब्ल्यू तहसील हनुमानगढ़ के खाता संख्या-113/109 पत्थर नंबर 171/369 (13) किला नंबर 6/1, 7/1, 13 से 18, 21 ता 23 कुल 2.343 हैक्टेयर अनकमाण्ड व चक नंबर-7 आर.पी.सी. तहसील हनुमानगढ़ के खाता संख्या-73/49 पत्थर नंबर 164/360 (33) किला नंबर 11/4, 12/1, 13/1, 18, 19, 20/2, 21/2, 22, 23 कुल 1.835 हैक्टेयर कमाण्ड व अनकमाण्ड में वादी व प्रतिवादी संख्या 1 व 2 प्रत्येक 1/3-1/3 हिस्सा के खातेदार काश्तकार है। मुताबिक घोषणा वादी के नाम राजस्व रिकार्ड में अंकन किया जावे।

प्रकरण दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को जरिये सम्मन तलब किया गया। प्रतिवादीगण संख्या 1 से 3 की ओर से सुरेन्द्र कुमार सहारण अधिवक्ता ने बकालतनामा पेश किया तथा वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 से 3 ने उपस्थित होकर राजीनामा पेश किया जो बाद तस्दीक शामिल मिसल किया गया।

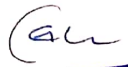
उभय पक्ष वादी एवं प्रतिवादीगण संख्या 1 से 3 ने राजीनामा पेश कर कथन किया कि वादी व प्रतिवादी संख्या-1 से 3 का लोक अदालत की भावना से प्रेरित होकर पचायत व मौजिज व्यक्तियों ने राजीनामा करवा दिया है। प्रतिवादी संख्या 1 के नाम से चक नंबर-10 एम.जेड.डब्ल्यू तहसील हनुमानगढ़ के खाता संख्या-113/109 पत्थर नंबर 171/369 (13) किला नंबर 6/1, 7/1, 13 से 18, 21 ता 23 कुल 2.343 हैक्टेयर अनकमाण्ड व चक नंबर-7 आर.पी.सी. तहसील हनुमानगढ़ के खाता संख्या-73/49 पत्थर नंबर 164/360 (33) किला नंबर 11/4, 12/1, 13/1, 18, 19, 20/2, 21/2, 22, 23 कुल 1.835 हैक्टेयर कमाण्ड व अनकमाण्ड दर्ज राजस्व अभिलेख है। वादी व प्रतिवादी संख्या 1 से 3 एक ही संयुक्त हिन्दू परिवार के सदस्य है। उपरोक्त वर्णित कृषि भूमि पैतृक सम्पत्ति है, जिसमें प्रतिवादिया संख्या 3 अपना कोई हक व हिस्सा प्राप्त नहीं करना चाहती है जिसने अपना हक व हिस्सा वादी व प्रतिवादी संख्या 1 व 2 के पक्ष में तर्क किया हुआ है, उक्त कृषि भूमि का घरू बंटवारा किया हुआ है। मुताबिक बंटवारा वादी व प्रतिवादीगण कृषि भूमि पर काश्त कर रहे है। उक्त वर्णित चक नंबर-10 एम.जेड.डब्ल्यू तहसील हनुमानगढ़ के खाता संख्या-113/109 पत्थर नंबर 171/369 (13) किला नंबर 6/1,

7/1, 13 से 18, 21 ता 23 कुल 2.343 हैक्टेयर अनकमाण्ड व चक नंबर-7 आर.पी.सी. तहसील हनुमानगढ़ के खाता संख्या-73/49 पत्थर नंबर 164/360 (33) किला नंबर 11/4, 12/1, 13/1, 18, 19, 20/2, 21/2, 22, 23 कुल 1.835 हैक्टेयर कमाण्ड व अनकमाण्ड कृषि भूमि में वादी व प्रतिवादी संख्या 1 व 2 प्रत्येक को 1/3-1/3 हिस्सा के खातेदार काश्तकार घोषित किये जाने व राजस्व रिकार्ड में अंकन दर्ज करने में हम मिकरान को कोई आपत्ति नहीं है व राजीनामा अनुसार वाद का निस्तारण कर डिक्री किया जावें।

पत्रावली में उभय पक्षों को सुना गया। दौराने बहस अधिवक्ता वादी द्वारा वादपत्र में वर्णित तथ्यों को दौहराते हुए वाद मुताबिक राजीनामा डिक्री किये जाने का निवेदन किया। राजपैरोकार प्रतिवादी संख्या 5 द्वारा दौराने बहस कथन किया कि राज्यहित को सुरक्षित रखते हुए वादपत्र वादी डिक्री किये जाने में प्रतिवादी संख्या 5 को कोई एतराज व आपत्ति नहीं है।

पत्रावली का अवलोकन किया गया। बहस पर मनन किया गया। पत्रावली एवं राजीनामा का अवलोकन करने एवं बहस सुनने के उपरांत निष्कर्ष है कि प्रकरण में वर्णित भूमि जो प्रतिवादी संख्या 1 के नाम है, पैतृक सम्पत्ति है। उक्त वर्णित भूमि संयुक्त हिन्दू परिवार की पैतृक भूमि होने के कारण वादी का उक्त भूमि में जन्म से हक व हिस्सा है। चूंकि अब उक्त हिन्दू संयुक्त परिवार विभक्त हो चुका है। प्रतिवादिया संख्या 3 जो वादी की बहिन है, उक्त भूमि में कोई हक व हिस्सा नहीं लेना चाहती। मुताबिक राजीनामा चक नंबर-10 एम.जेड.डब्ल्यू. तहसील हनुमानगढ़ के खाता संख्या-113/109 पत्थर नंबर 171/369 (13) किला नंबर 6/1, 7/1, 13 से 18, 21 ता 23 कुल 2.343 हैक्टेयर अनकमाण्ड व चक नंबर-7 आर.पी.सी. तहसील हनुमानगढ़ के खाता संख्या-73/49 पत्थर नंबर 164/360 (33) किला नंबर 11/4, 12/1, 13/1, 18, 19, 20/2, 21/2, 22, 23 कुल 1.835 हैक्टेयर कमाण्ड व अनकमाण्ड कृषि भूमि में वादी व प्रतिवादी संख्या 1 व 2 प्रत्येक को 1/3-1/3 हिस्सा के खातेदार काश्तकार घोषित करने में मिकरान को कोई आपत्ति नहीं है, ऐसा राजीनामा में जाहिर किया गया तथा मुताबिक राजीनामा वाद डिक्री किये जाने का निवेदन किया। वादपत्र में मुख्य अनुतोष प्रतिवादी संख्या 1 के विरुद्ध चाहा गया है जिसमें वादी एवं प्रतिवादीगण का आपस में राजीनामा हो गया है। ऐसी स्थिति में दावा में किसी प्रकार का कोई विवाद नहीं होने के कारण तथा मुताबिक राजीनामा दावा डिक्री किये जाने में उभय पक्ष सहमत होने के कारण दावा मुताबिक राजीनामा डिक्री किया जाना न्यायोचित है।

अतः वाद वादी मुताबिक राजीनामा स्वीकार किया जाकर डिक्री किया जाता है तथा घोषणा की जाती है कि चक नंबर-10 एम.जेड.डब्ल्यू. तहसील हनुमानगढ़ के खाता


सहायक कलेक्टर,
एवं उपखण्डाधिकारी
हनुमानगढ़

संख्या-113/109 पत्थर नंबर 171/369 (13) किला नंबर 6/1, 7/1, 13 से 18, 21 ता 23 कुल 2.343 हैक्टेयर अनकमाण्ड व चक नंबर-7 आर.पी.सी. तहसील हनुमानगढ़ के खाता संख्या-73/49 पत्थर नंबर 164/360 (33) किला नंबर 11/4, 12/1, 13/1, 18, 19, 20/2, 21/2, 22, 23 कुल 1.835 हैक्टेयर कमाण्ड व अनकमाण्ड कृषि भूमि में वादी व प्रतिवादी संख्या 1 व 2 प्रत्येक को 1/3-1/3 हिस्सा के खातेदार काश्तकार घोषित किये जाते हैं। उक्तानुसार ही राजस्व रिकार्ड में अंकन किया जावे। पर्चा डिक्री जारी कर संलग्न की जावे। वाद व्यय उभय पक्ष वादी/प्रतिवादीगण स्वयं अपना अपना वहन करेंगे। पत्रावली नम्बर से कम की जाकर बाद तरतीब तकमील जाव्ता दाखिल दफ्तर हो।

निर्णय आज दिनांक 18.5.18 को मेरे द्वारा खुले न्यायालय में सुनाया गया।

सत्यमेव जयते

सहायक कलेक्टर एवं
उपखण्डाधिकारी {राजस्व}

हनुमानगढ़।

सहायक कलेक्टर
एवं उपखण्डाधिकारी
हनुमानगढ़

Web Copy - Not Official

डिक्री व मुकदमें इब्बदाई

अज अदालत—सहायक क्लर्क एवं उपखण्डाधिकारी मुकाम हनुमानगढ़।

बईजलासः—

श्री सुरेन्द्र सिंह पुरोहित आर.ए.एस.

हनुमान

बनाम

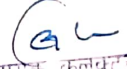
लेखराम आदि

दावा बाबत् 88 आस्टीए

मुकदमा नंबर 80/2018

सह मुकदमा आज वारते इनाफिसाल कतई रुवरु मेरे वहाजरी श्री भवानी सिंह निर्वाण एडवोकेट मुदई व श्री सुरेन्द्र कुमार सहारण मुदायलेहम पेश होकर हुकम दिया जाता है कि चक नंबर-10 एम.जेड.डब्ल्यू. तहसील हनुमानगढ़ के खाता संख्या-113/109 पत्थर नंबर 171/369 (13) किला नंबर 6/1, 7/1, 13 से 18, 21 ता 23 कुल 2.343 हैक्टेयर अनकमाण्ड व चक नंबर-7 आर.पी.सी. तहसील हनुमानगढ़ के खाता संख्या-73/49 पत्थर नंबर 164/360 (33) किला नंबर 11/4, 12/1, 13/1, 18, 19, 20/2, 21/2, 22, 23 कुल 1.835 हैक्टेयर कमाण्ड व अनकमाण्ड कृषि भूमि में वादी व प्रतिवादी संख्या 1 व 2 प्रत्येक को 1/3-1/3 हिस्सा के खातेदार काश्तकार घोषित किये जाते हैं। बैंक ऋण चुकता होने पर उक्तानुसार ही राजस्व रिकार्ड में अंकन किया जावे।

लीज मुबलिंग बाबत् खर्चा इस मुकदमें के मय सूद वशरह से तारीख वसूलयावी तक वसिबत मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से दिनांक 18.5.18 को जारी की गई।


सहायक क्लर्क
एवं उपखण्डाधिकारी
हनुमानगढ़

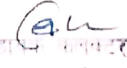
हनुमान पुत्र श्री लेखराम जाति जाट निवासी रणजीतपुरा तहसील व जिला हनुमानगढ़।

—वादी

बनाम

1. लेखराम पुत्र श्री माडूराम जाति जाट निवासी रणजीतपुरा तहसील व जिला हनुमानगढ़।
2. महावीर पुत्र श्री लेखराम जाति जाट निवासी रणजीतपुरा तहसील व जिला हनुमानगढ़।
3. सिलोचना पत्नी श्री दीपचन्द पुत्री लेखराम जाति जाट निवासी धोलीपाल तहसील व जिला हनुमानगढ़।
4. भारतीय स्टेट बैंक शाखा नौरंगदेसर तहसील व जिला हनुमानगढ़ जरिये शाखा प्रबन्धक।
5. तहसीलदार (राजस्व) हनुमानगढ़।

—प्रतिवादीगण


सहायक क्लर्क
एवं उपखण्डाधिकारी
हनुमानगढ़